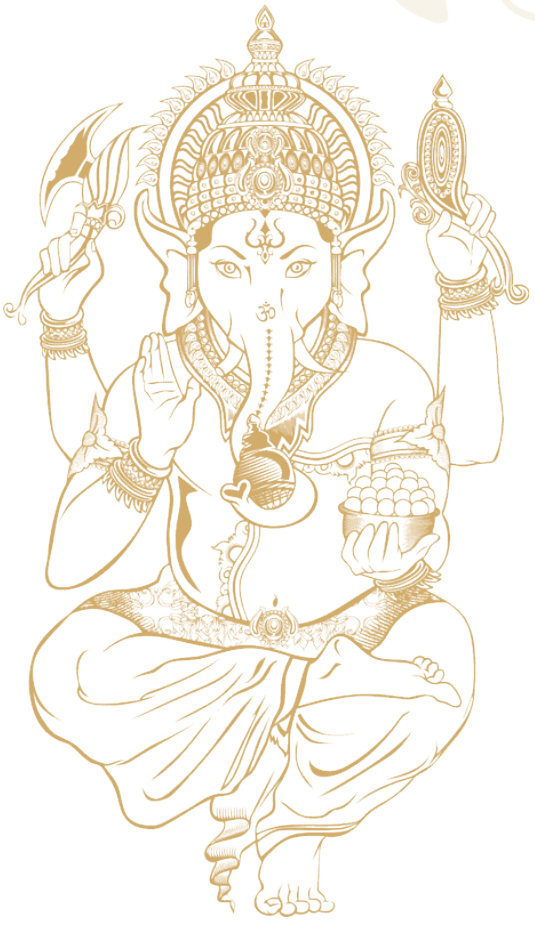

Vijay Pratap Pathak

31 Aug 1961

05:30 AM

Basti

Model: web-freekundliweb

Order No: 121172003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30-31/08/1961**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**05:30:00 घंटे**
इष्ट	59:41:17 घटी
स्थान	**Basti**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:48:00 उत्तर
रेखांश	82:44:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:00:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:30:56 घंटे
वेलान्तर	-00:00:42 घंटे
साम्पातिक काल	04:06:40 घंटे
सूर्योदय	05:37:29 घंटे
सूर्यास्त	18:21:37 घंटे
दिनमान	12:44:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	14:01:43 सिंह
लग्न के अंश	11:28:39 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ले-लेखपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	11:28:39	318:02:12	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
सूर्य			सिंह	14:01:43	00:58:02	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	20:07:38	13:34:26	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
मंगल			कन्या	15:37:39	00:38:48	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध			सिंह	28:38:42	01:40:41	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
गुरु	व		मक	04:53:27	00:04:25	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	नीच राशि
शुक्र			कर्क	08:20:17	01:10:53	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मक	00:31:58	00:02:34	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	स्वराशि
राहु	व		सिंह	03:50:10	00:00:39	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	03:50:10	00:00:39	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			सिंह	03:33:09	00:03:42	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	---
नेप			तुला	15:40:15	00:01:16	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
प्लूटो			सिंह	14:31:11	00:02:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	10:21:30	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:19:09

लग्न-चलित

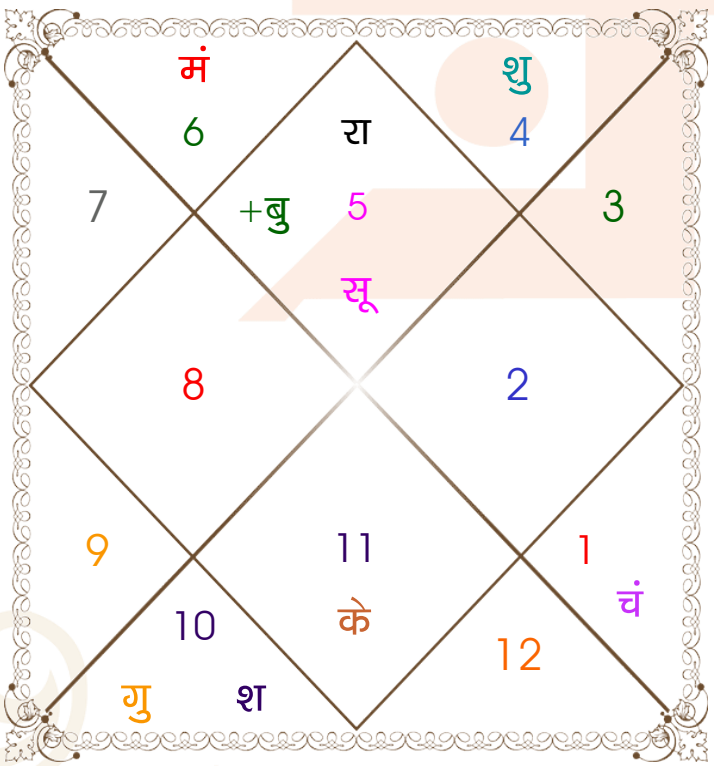

चन्द्र कुंडली

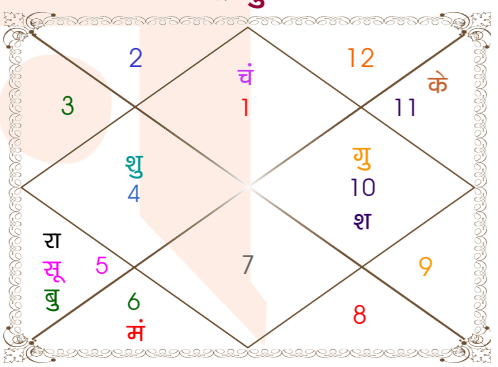

नवमांश कुंडली

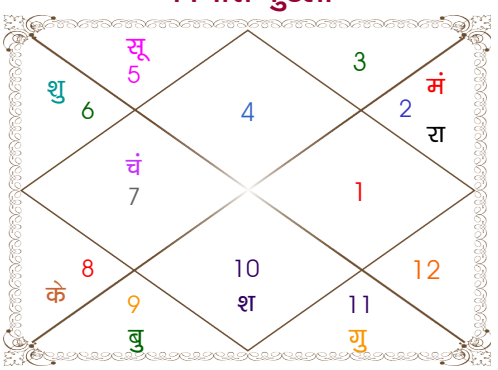

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 9 वर्ष 9 मास 21 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
31/08/1961		23/06/1971		22/06/1977		23/06/1987		22/06/1994	
23/06/1971		22/06/1977		23/06/1987		22/06/1994		22/06/2012	
	00/00/0000	सूर्य	10/10/1971	चंद्र	22/04/1978	मंगल	19/11/1987	राहु	05/03/1997
	00/00/0000	चंद्र	10/04/1972	मंगल	22/11/1978	राहु	06/12/1988	गुरु	29/07/1999
	00/00/0000	मंगल	16/08/1972	राहु	22/05/1980	गुरु	12/11/1989	शनि	04/06/2002
	00/00/0000	राहु	10/07/1973	गुरु	21/09/1981	शनि	22/12/1990	बुध	21/12/2004
	31/08/1961	गुरु	29/04/1974	शनि	23/04/1983	बुध	19/12/1991	केतु	09/01/2006
गुरु	22/04/1964	शनि	11/04/1975	बुध	21/09/1984	केतु	16/05/1992	शुक्र	09/01/2009
शनि	23/06/1967	बुध	15/02/1976	केतु	22/04/1985	शुक्र	16/07/1993	सूर्य	03/12/2009
बुध	22/04/1970	केतु	22/06/1976	शुक्र	22/12/1986	सूर्य	21/11/1993	चंद्र	04/06/2011
केतु	23/06/1971	शुक्र	22/06/1977	सूर्य	23/06/1987	चंद्र	22/06/1994	मंगल	22/06/2012

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
22/06/2012		22/06/2028		23/06/2047		22/06/2064		23/06/2071	
22/06/2028		23/06/2047		22/06/2064		23/06/2071		00/00/0000	
गुरु	10/08/2014	शनि	26/06/2031	बुध	18/11/2049	केतु	18/11/2064	शुक्र	22/10/2074
शनि	20/02/2017	बुध	05/03/2034	केतु	15/11/2050	शुक्र	18/01/2066	सूर्य	22/10/2075
बुध	29/05/2019	केतु	14/04/2035	शुक्र	15/09/2053	सूर्य	26/05/2066	चंद्र	22/06/2077
केतु	04/05/2020	शुक्र	13/06/2038	सूर्य	23/07/2054	चंद्र	25/12/2066	मंगल	22/08/2078
शुक्र	03/01/2023	सूर्य	26/05/2039	चंद्र	22/12/2055	मंगल	23/05/2067	राहु	22/08/2081
सूर्य	22/10/2023	चंद्र	25/12/2040	मंगल	18/12/2056	राहु	10/06/2068	गुरु	31/08/2081
चंद्र	20/02/2025	मंगल	02/02/2042	राहु	08/07/2059	गुरु	17/05/2069		00/00/0000
मंगल	27/01/2026	राहु	09/12/2044	गुरु	13/10/2061	शनि	25/06/2070		00/00/0000
राहु	22/06/2028	गुरु	23/06/2047	शनि	22/06/2064	बुध	23/06/2071		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 9 वर्ष 10 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।